भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3922
जिसका उत्तर मंगलवार 20 मार्च, 2018 को दिया जाना है

इलेक्ट्रिक बसें

3922. श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाइब्रिड और इलेक्ट्रिकल वाहनों को तीव्र गति से अपनाने और इनका निर्माण करने की योजना (एफएएमई) के अंतर्गत कितनी बसें शुरू करने की संभावना है;
(ख) उच्च प्रभाव वाले प्रति शहर में इस योजना के अंतर्गत कितनी बसें शुरू किए जाने की मूल योजना थी;
(ग) इस योजना के कार्यान्वित किए जाने की वर्तमान स्थिति क्या है; और
(घ) क्या इस योजना के अंतर्गत शुरू की गई बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी और यदि हां, तो कार्यान्वित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग): हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण और तीव्र अंगीकरण (फेम) योजना के अंतर्गत, सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक पॉवरट्रेन पर आधारित सार्वजनिक और साझा मोबिलिटी के लिए मांग प्रोत्साहनों को बढ़ाने हेतु दस लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों और विशेष श्रेणी के राज्यों से प्रस्ताव आमंत्रित करते हुए दिनांक 31 अक्तूबर, 2017 को एक रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की गई। इस प्रतिक्रिया में, 3144 ई-बसों, 2430 ई-फोर व्हीलर टेक्सियों और 21545 ई-थ्री व्हीलर ऑटो की कुल आवश्यकता के साथ 21 राज्यों के 44 शहरों से 47 प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों की जांच करने के बाद चयन मानदंड के आधार पर, फेम स्कीम के तहत निधियन हेतु ग्यारह (11) शहरों का चयन किया गया।

ईओआई के तहत चुने गए 11 शहरों में से 9 शहरों ने अपनी निविदा प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है और तद्नुसार अंतिम तिथि तक सफल बोलीकर्ताओं को स्वीकृति पत्र भेज दिए गए हैं।

(घ): तत्पश्चात्, कुछ निश्चित शर्तों के अध्यधीन इस परियोजना के तहत तैयार की जाने वाली ई-बसों की संख्या को बढ़ाकर 480 कर दिया गया है।

*****